म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध और निदान मामलों के रोगसूचक प्रबंधन हेतु होम्योपैथी चिकित्सकों के लिए जानकारी

भारत सरकार
आयुष मंत्रालय
औषधि नीति अनुभाग

आयुष चिकित्सकों हेतु दिशानिर्देश/सलाह

कोविड-19 पर आयुष मंत्रालय द्वारा आयुष चिकित्सकों हेतु दिशानिर्देश/सलाह

2. म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध और निदानित मामलों के लाक्षणिक प्रबंधन हेतु होम्योपैथी चिकित्सकों के लिए सूचना

म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध

और

निदानित मामलों के लाक्षणिक प्रबंधन हेतु

होम्योपैथी चिकित्सकों के लिए सूचना

भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

औषधि नीति अनुभाग

म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध और निदानित मामलों के लाक्षणिक प्रबंधन हेतु होम्योपैथी चिकित्सकों के लिए सूचना

प्रस्तावना

कोविड - 19 महामारी की दूसरी लहर न केवल स्वयं बिमारी के कारण हानिकारक प्रभाव लेकर आई है, बल्कि अपने साथ बीमारी से ठीक होने वाले व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली को झटका देने वाले संक्रमणों को भी साथ लाया है। हाल ही में प्रतिरक्षा से समझौता करने वाले रोगियों में और निम्नलिखित प्रतिरक्षा दमनकारी दवाओं में जो पहले दुर्लभ मामलों में पाई जाती थीं, कवक संक्रमण का एक उभरता हुआ खतरा देखा गया है। उसके साथ रोगियों के जिन्हें पहले से ही प्रभावी पारंपरिक उपचार के साथ प्रतिरक्षा-समझौता पर छोड़ दिया गया है, पूरक और वैकल्पिक हस्तक्षेपों में स्टैंडअलोन या मानक देखभाल उपायों का पता लगाया जा रहा है।

भारत में एक उष्णकटिबंधीय देश होने के कारण कवक संक्रमण के विकास के लिए अनुकूल तापमान और आर्द्रता है। होम्योपैथी चिकित्सों द्वारा कई प्रकार के फंगल संक्रमणों का पहले ही प्रभावी ढंग से इलाज किया जा चुका है। कवक की विशेष किस्म के बढ़ते मामलों के साथ संक्रमण, म्यूकॉरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के उपचार में वरिष्ठ चिकित्सकों का और शोधकर्ता प्रणाली, म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध और निदान मामलों के कुशल होम्योपैथी उपचार के अनुभव साथ वर्तमान जानकारी तैयार की गई है। इस स्थिति में पर्यवेक्षण के तहत अस्पताल आधारित उपचार की आवश्यकता होती है और होम्योपैथिक

दवाओं को एकीकृत तरीके से निर्धारित किया जा सकता है। चूंकि ज्यादातर प्रतिरक्षा संक्रमित मरीजों में यह संक्रमण होता है, अतः ब्लड शुगर व अन्य जरूरी चीजों की सख्त निगरानी आवश्यक है।

सामान्य अस्वीकरण

- कोई भी हस्तक्षेप शुरू करने से पहले मरीजों को एक योग्य चिकित्सक से सामान्य परामर्श की आवश्यकता होती है।
- सभी मध्यम/गंभीर मामलों में, केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार उच्च चिकित्सा के लिए तत्काल रेफरल की सलाह दी जाती है।
- उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि जैसी सह-रुग्णता वाले रोगियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी संबंधित दवाएं और अपने परिवार के चिकित्सकों से परामर्श लेना जारी रखें।
- चिकित्सकों को दवाओं, शक्तियों और खुराक को होम्योपैथिक सिद्धांत के अनुसार निर्धारित करने की आवश्यकता होती है।

स्वस्थ जनसंख्या के लिए रोगनिरोधी उपायों की सिफारिश

स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा सलाह दी गई कोविड उपयुक्त व्यवहार और सामान्य सुरक्षात्मक उपाय जैसे सामाजिक दूरी, उचित मास्क का सही तरीके से इस्तेमाल, हाथ धोना और सैनिटाइजेशन, कोविड -19 के लिए टीकाकरण आदि की सलाह दी जानी चाहिए। म्यूकॉरमाइकोसिस के लिए मरीजों को निम्नलिखित क्या करें और क्या न करें आईसीएमआर द्वारा जारी एडवाइजरी (1-3) का पालन करने की सलाह दी जानी चाहिए।

म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध और निदान मामलों के प्रबंधन के लिए सूचना।

म्यूकॉरमाइकोसिस मामलों में देखी जाने वाली सामान्य नैदानिक विशेषताओं में दर्द और आंखों और/या नाक के आसपास लालिमा, बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस की तकलीफ, खूनी उल्टी, मानसिक स्थिति में बदलाव शामिल हैं। कोविड-19 से ठीक हुए मरीजों के देखभाल कर्ता और चिकित्सक विशेष रूप से अस्पताल में भर्ती होने के बाद, कोविड 19 या किसी अन्य बीमारी के लिए लंबे समय तक आईसीयू में रहने सहरुग्णक, अनियंत्रित मधुमेह, प्रतिरक्षा-दमनकारी दवाओं जैसे स्टेरॉयड का लंबे समय तक उपयोग कर्ता सतर्क रहें। इस संभावना को ध्यान में रखते हुए, रोगी को विकसित होने वाले लक्षणों या संकेतों का अवलोकन करना चाहिए लेकिन इस सतर्कता से अनावश्यक चिंता नहीं होनी चाहिए।

होम्योपैथी प्रबंधन

समग्र दृष्टिकोण वाली प्रणाली के रूप में, होम्योपैथी दवाओं का चयन प्रत्येक रोगी के लक्षण और प्रस्तुत संकेतों के आधार पर किया जा सकता है (4)। होम्योपैथिक उपचार फंगल संक्रमण के लिए व्यवहारक्षम हैं। विभिन्न कवकों इन-विट्रो पर किए गए विभिन्न शोध अध्ययन मॉडल ने दिखाया कि होम्योपैथी दवा कवक के विकास को रोक सकती है (5-8)। नैदानिक अध्ययनों ने फंगल संक्रमण (9-10) पर उत्साहजनक परिणाम दिखाए हैं। यहां दवाएं उनके नैदानिक उपयोग के आधार पर सुझाव योग्य हैं।

म्यूकॉरमाइकोसिस के संदिग्ध और निदान मामलों के लक्षणात्मक होम्योपैथी प्रबंधन

चरण / हालात	नैदानिक प्रस्तुतीकरण	दवा	खुराक
पोस्ट-कोविड-19 अवसरवादी संक्रमणों को रोकने के लिए के लिए आहार	----	1. आर्सेनिकम एल्बम 200 **7 दिन बाद** 2. थूजा औक्सिडेंटलिस 1M 7 दिन बाद 3. ट्यूबरकुलिनम - 1M	4 ग्लोब्यूल्स दिन में दो बार 3 दिनों के लिए 4 ग्लोब्यूल्स एक बार 4 ग्लोब्यूल्स एक बार

संदिग्ध / निदान म्यूकॉरमाइकोसिस

राइनो-ऑर्बिटोसेरेब्रल म्यूकॉरमाइकोसिस	चेहरे का दर्द, सिरदर्द, सुस्ती, दृश्य हानि, प्रॉप्टोसिस, और/या तालु का अल्सर, नासिका प्रवाह (काला/खूनी), धुंधली या दोहरी दृष्टि दर्द के साथ।	आर्सेनिकम एल्बम, ऑरम मेटालिकम, कुंडुरंगो, फ्लोरिकम एसिडम, सल्फर आयोडेटम, एसिड बेंजोइकम, हिप्पोज़ेनिनम, काली आयोडेटम, कलियम बाइक्रोमिकम, मर्क्यूरियस सॉल्यूबिलिस, नाइट्रिकुमेसिडम, फास्फोरस, सेकेल कॉर्नुटम	होम्योपैथी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार खुराक और दवा की पुनरावृत्ति इलाज करने वाला /चिकित्सक द्वारा निर्धारित।
फेफड़े श्लेष्मा रोग	साँस लेने में कठिनाई, खांसी, सीने में दर्द, फुफ्फुस बहाव, हेमोप्टाइसिस, का	अकलिफा इंडिका, आर्सेनिकम एल्बम, क्रोटलस हॉरिडस, काली बाइक्रोमिकम,	होम्योपैथी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार खुराक और दवा की पुनरावृत्ति

	बिगड़ना श्वसन लक्षण	सल्फर आयोडेटम, एसिड बेंजोइकम, लैकेसिस म्यूटस, मर्क्यूरियस सॉल्यूबिलिस, नाइट्रिकम एसिडम, फास्फोरस	इलाज करने वाला /चिकित्सक द्वारा निर्धारित।
त्वचीय श्लेष्मा रोग	परिगलित निशान त्वचा के एरिथेमेटस और सिंचित क्षेत्र से घिरा हुआ।	एन्थ्रेसिनम, आर्सेनिकम एल्बम, सल्फर आयोडेटम, एसिड बेंजोइकम, लैकेसिस म्यूटस, मेज़ेरियम, फास्फोरस, सेकल कॉर्नटम, गंधक	होम्योपैथी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार खुराक और दवा की पुनरावृत्ति इलाज करने वाला /चिकित्सक द्वारा निर्धारित।
जठरांत्र श्लेष्मा रोग	विशिष्ट उदर दर्द और मतली के साथ और उल्टी, बुखार और रक्तगुल्म	आर्सेनिकम एल्बम, क्रोटलस हॉरिडस, इपिकाकुआन्हा, सल्फर आयोडेटम, एसिड बेंज़ोइकम, लैकेसिस म्यूटस, मर्क्यूरियस कोरोसिवस, फास्फोरस, गंधक	होम्योपैथी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार खुराक और दवा की पुनरावृत्ति इलाज करने वाला /चिकित्सक द्वारा निर्धारित।
सेप्टिसीमिया	--------	पाइरोजेन, एचिनासा	समाचिकित्सा होम्योपैथी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार खुराक और दवा की पुनरावृत्ति इलाज करने वाला /चिकित्सक द्वारा निर्धारित।
स्वास्थ्य कर उद्देश्य (मामलों के अनुसार	-------	1. ऊतक लवण 2. अवेना सतीव -	होम्योपैथी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार

विभिन्नता हो सकती है)		मदर टिंचर।	खुराक और दवा की पुनरावृत्ति इलाज करने वाला /चिकित्सक द्वारा निर्धारित।

नोट: इन दवाओं की सूची के अलावा कोई अन्य औषधि और कोई अन्य क्षमता की औषधि, प्रत्येक मामले में लक्षण समानता के आधार पर निर्धारित हो सकती है ।

सामान्य जानकारी

1. बीमार व्यक्ति के लक्षणों की नियमित रूप से निगरानी करें।
2. सुनिश्चित करें कि बीमार व्यक्ति पर्याप्त आराम करता है और सोता है और हाइड्रेटेड रहता है।
3. घर के आसपास मरीज की आवाजाही को सीमित करें और साझा स्थान को कम से कम करें। सुनिश्चित करें कि घर, विशेष रूप से साझा स्थान (जैसे कि रसोई, बाथरूम) अच्छी तरह हवादार और उचित धूप के साथ नम हैं ।
4. व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखें और प्रत्येक दिन के लिए अलग मास्क का उपयोग करें।

आहार संबंधी जानकारी

1. भोजन ताजा बना होना चाहिए, और आसानी से पचने योग्य होना चाहिए। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से बचें।
2. वसा, तेल, चीनी और नमक के अत्यधिक सेवन से बचें।

संदर्भ

1. भारत में कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रसार से उत्पन्न चुनौती से निपटने के लिए आयुष मंत्रालय की सलाह; https://www.ayush.gov.in/docs/25.pdf पर उपलब्ध है।
2. संदिग्ध या पुष्ट COVID-19 वाले रोगियों की घरेलू देखभाल और उनके संपर्कों का प्रबंधन; https://www.who.int/publications/i/item/home-care-for-patients-withsuspected-novel-coronavirus-(ncov)-infection-presenting-with-mild-symptoms-andmanagement-of-contacts पर उपलब्ध है।
3. COVID-19 के समय में साक्ष्य आधारित सलाह (म्यूकॉरमाइकोसिस की स्क्रीनिंग, निदान और प्रबंधन) -आईसीएमआर; https://www.icmr.gov.in/cmucormycosis.html5 पर उपलब्ध है।
4. COVID-19 के लिए होम्योपैथिक चिकित्सकों के लिए दिशानिर्देश; https://www.ayush.gov.in/docs/homeopathy-guidelines.pdf पर उपलब्ध है।

5. प्रजापति एस, शर्मा एम, कुमार ए, गुप्ता पी, द्विवेदी बी, आर्य बीएस, विभिन्न होम्योपैथिक दवाओं की रोगाणुरोधी गतिविधि और इन विट्रो में 'एस्परगिलस नाइजर' के खिलाफ उनकी क्षमता। इंडियन जे रेस होम्योपैथी 2019;13:150-8।
6. प्रजापति एस, शर्मा एम, गुप्ता पी, कुमार एम, द्विवेदी बी, आर्य बीएस।
कैंडिडा एल्बीकैंस के खिलाफ विभिन्न होम्योपैथिक मदर टिंचर्स की एंटिफंगल गतिविधि का मूल्यांकन। भारतीय जे रेस होम्योपैथी 2017; 11: 237-43।
7. गुप्ता जी, गर्ग केएल, चंद्र बी। मानव रोगियों से पृथक कवक के खिलाफ होम्योपैथिक दवाओं का प्रभाव। एशियन होम्योपैथिक जर्नल। 1995; 5(1): 15-18.
8. गुप्ता जी, श्रीवास्तव एके, गुप्ता एन, गुप्ता जी, मिश्रा एस। होम्योपैथिक दवाएं की एन्टी कैंडीडल गतिविधि: एक इन-विट्रो मूल्यांकन। इंडियन जे रेस होम्योपैथी 2015; 9:79-85।
9. उत्तमचंदानी पीए, पाटिल ई. होम्योपैथी डर्माटोफाइट संक्रमणके लिए एक वैकल्पिक चिकित्सा।
इंट जे स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान। 2019; 9(1):316-320.
10. बर्डीसेवस्की आई, रॉन बी, रॉन डीडी। ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम के निदान पर बच्चों और वयस्कों सहित विविध आबादी के बीच कैंडिडा के खिलाफ होम्योपैथिक उपचार। एक पूर्वव्यापी अध्ययन। होम्योपैथी, खंड 103, अंक 1, जनवरी 2014, पृष्ठ 91।

अनुलग्नक

इस सूचना को तैयार करने में शामिल चिकित्सकों और योगदानकर्ताओं की सूची

1. प्रो. (डॉ.) वी.के. गुप्ता	पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित, अध्यक्ष वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच
2. डॉ. श्रीमती अनिल कुमारी मल्होत्रा	पद्मश्री पुरस्कार विजेता, पूर्व प्राचार्य नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
3. डॉ. एन. राधा	पूर्व सलाहकार (होम्योपैथी) और सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच
4. डॉ एम.पी. आर्य	सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच
5. डॉ. के.एम. धवले	एमएल धवले ट्रस्ट, मुंबई और सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच
6. डॉ. आलोक पारीक	अध्यक्ष, एलएमएचआई और सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच
7. डॉ नंदिनी शर्मा	सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच
8. डॉ. सी. नायक	पूर्व महानिदेशक, सीसीआरएच
9. डॉ. एस.पी.सिंह	पूर्व सलाहकार (होम्योपैथी)
10. डॉ अश्विनी कुमार द्विवेदी	सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच
11. प्रो. (डॉ.) कंजक्ष घोष	सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, सीसीआरएच
12. डॉ. एस.के. भट्टाचार्य	पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान
13. डॉ. एन. मोहंती	पूर्व प्राचार्य, एसी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, भुवनेश्वर
14. डॉ. एल.के.नंदा	पूर्व प्राचार्य, एसी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज,भुवनेश्वर
15. डॉ गिरीश गुप्ता	एमडी (गृह), पीएचडी मुख्य सलाहकार गौरांग क्लिनिक और होम्योपैथिक अनुसंधान केंद्र लखनऊ

16. डॉ. संगीता दुग्गल	सलाहकार, होम्योपैथी, आयुष मंत्रालय
17. डॉ. अनिल खुराना	महानिदेशक, सीसीआरएच
18. डॉ. सुभाष सिंह	निदेशक, राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, कोलकाता
19. डॉ. एस.आर.चिंता	उप सलाहकार, होम्योपैथी, औषधि नीति अनुभाग आयुष मंत्रालय
20. डॉ. रचना पालीवाल	सहायक सलाहकार, होम्योपैथी, औषधि नीति अनुभाग, आयुष मंत्रालय
21. डॉ. बिंदु शर्मा	सहायक निदेशक, होम्योपैथी, सीसीआरएच
22. डॉ. प्रवीण ओबेरॉय	सहायक निदेशक, होम्योपैथी, सीसीआरएच
23. डॉ देबदत्त नायक	अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी) / वैज्ञानिक- III, सीसीआरएच
24. प्रो. डॉ.एस.प्रवीण कुमार	पूर्व प्राचार्य, जेएसपीएसजीएचएमसी, हैदराबाद
25. प्रो डॉ. सी.एच. श्रीनिवास रेड्डी	प्रोफेसर, जेएसपीएसजीएचएमसी, हैदराबाद